newsjankalyanseva@gmail.com

जनकल्याण सेवा

साप्ताहिक

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - २३ | २६ जून से २ जुलाई २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

बारिश में रहना है स्वस्थ, तो रखें इन बातों का खयाल

मौसम बदलने पर बीमारियों का खतरा बढ.जाता है। तेज गर्मी के बीच अचानक बारिश होने से कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ. जाता है। ऐसे मौसम में कई कीटाणु और वायरस भी एक्टिव हो जाते हैं। जिन लोगों की कमजोर होती है, वे इन वायरस की चपेट में आ जाते हैं जिससे निम्न शारीरिक प्रॉब्लम हो सकती हैं। बदलते मौसम में सेहत का ज्यादा ध्यान रखना होता है। बारिश के मौसम में बीमारियों का खतरा अधिक रहता है, क्योंकि चारों तरफ पानी भरा होने से कीटाणु अधिक पैदा होते हैं। खेतों में पानी भरने से जर्म का खतरा रहता है, मौसम में ठंडक बढ़ने से ठंडा-गर्म की शिकायत हो जाती है। किसी भी मौसम में हाईजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। लेकिन बारिश के मौसम में नॉर्मल से अधिक हाइजीनिक तरीके से रहना होता है, जिससे संक्रामक रोगों को रोकने में मदद मिलती है। इसके लिए आपको बेसिक बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे : भोजन से पहले-बाद में, छींकने और खांसने के बाद हाथों को हैंडवॉश जरूर करें। कोई भी बाहरी चीज छूने के बाद हाथों को मोबाइल से न लगाएं। कई लोग खाना खाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं, जिससे बैक्टीरिया शरीर में जा सकते हैं। नहाने के बाद टॉवेल को धोकर तेज धूप में सुखाएं। धूप नहीं होने पर खुली हवा में सुखा दें। वॉशरूम को अच्छे से साफ करें और कीटाणुनाशक स्प्रे से छिड़काव करें। मानसून में बीमारियां सबसे ज्यादा फैलती हैं. इस मौसम में डेंगू, चिकन कुनिया, मलेरिया और उल्टी-दस्त जैसी बीमारियां मानसून टिप्स बारिश में लोग चाय-पकौडे.से लेकर स्ट्रीट फूड का जमकर मजा लेते हैं, लेकिन इस मौसम में सावधान रहने की जरूरत है. आपकी लापरवाही आपको बीमार कर सकती है. बारिश में बीमारी और इंफेक्शन बहुत तेजी से फैलते हैं. बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा संक्रमण बाहर के खाने से ही फैलता है. इसके अलावा कच्ची और हरी पत्तेदार सब्जियां भी इस मौसम में बीमार बनाती हैं. इन दिनों बारिश का दौर चल रहा है, इंसान यदि स्वास्थ्य की देखभाल नहीं करें तो उसे सर्दी जुकाम , बुखार आदि बीमारियां होने लगती है, स्वस्थ रहने के लिए मौसम के अनुसार चलना पडता है , मौसम के अनुसार कपडे.पहनने पडते हैं , बरसात के मौसम में बरसाती सूट भी लोग ज्यादा खरीदते हैं क्योंकि इनको पहनने के बाद इंसान के कपडे. एवं बदन जो ढका हुआ है , नहीं भीगता तथा इंसान को मौसमी बीमारियों से बचाया जा सकता है, बारिश के समय केवल बारिश में भीगने मात्र से ही बीमार हो ऐसा नहीं है कभी-कभी ठंडी हवा का झोंका भी इंसान को बीमार कर देता है , दिनों में कुछ ऐसी बातें हैं , जिनको यदि ध्यान में रखा जाए तो हम बारिश के दिनों में बीमार होने से बच सकते हैं , इसमें सबसे पहले स्वयं के बदन की देखभाल समय पर करना चाहिए , जैसा कि यदि बारिश हो रही है तो हमें घर से बाहर छाते का प्रयोग करना चाहिए , बाइक चलाना चाहते हैं तो बरसाती सूट पहनकर चलाना चाहिए , कार चला रहे हैं तो कार के शीशे बंद होने चाहिए , ऐसा करने से बरसात का पानी इंसान के बदन को नहीं भिगो पाएगा एवं वह बीमार होने से बच जाएगा , दूसरा हमें बरसात के मौसम में गीले कपडे.नहीं पहने चाहिए , यदि बारिश के कारण हमारे कपडे. गीले हो गए हैं , तो जितना जल्दी हो सके , गीले कपडे.उतार कर सूखे कपडे.पहनने चाहिए , इतना ही नहीं यदि बरसात से बदन भीग गया है तो पहले सूखे एवं साफ टॉवेल या कपडे.से बदन पोसना चाहिए , इसी प्रकार गीले कपड़ो को ऐसी जगह लटकाना चाहिए जहा हवा लगती रहे एवं कपड़ो में से पानी जल्दी सुख जाये , इसी प्रकार बरसात के दिनों में खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए , बारिश के समय ठंडा खाना ना खाकर , गर्म खाना , खाना चाहिए ,चाय भी पीनी चाहिए ताकि सर्दी जुकाम हुआ भी है. शेष पृष्ठ ३ पर

मोदी के ९ साल देश हुआ बेहाल

पूर्व एमएलसी मुजफ्फर हुसैन ने लोकतंत्र को खतरे में बताया

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व एमएलसी मुज़फ्फर हुसैन ने कहा की, बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ साल पुरे होने पर मोदी @९ महाजनसंपर्क अभियान का पुरे देश में पीआर करवा रही है, और नौ साल की उपलब्धियां बताने की कोशिश कर रही है। लोग कह रहे है की लोकतंत्र खतरे में है लेकिन इन ९ सालों में लोकतंत्र खतरे में नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ख़त्म हो चूका है। मोदी के नौ साल देश हुआ बेहाल के जरिये कांग्रेस पुरे देश को बताएगी की इन नौ सालों में मोदीजी ने कहाँ से कहाँ देश को ढ़केल दिया है। नौ सालों में कहाँ जगह मोदीजी फ़ैल हुए है उसपर सवाल करेंगे, ऐसा मुज़फ्फर हुसैन ने कहा।

लोकतंत्र में नेताओं की, अधिकारीयों की, पालिकाओं की, सरकार की जवाबदेही होती है, ज़िम्मेदारी होती है पर यहाँ कोई किसी चीज़ की ज़िम्मेदारी नहीं लेता है। उदाहरण के तौर पर उड़ीसा का ट्रेन हादसा लेलो। पहले के रेलमंत्री नैतिक ज़िम्मेदारी और लोकतंत्र में जवाबदेही की वजह से इस्तीफा दे दिया करते थे। हर रेल्वे लाइन या गाड़ी चलने पर प्रधानमंत्री हरी झंडी दिखाते हुए नज़र आते हैं, रेल मंत्री को कोई जानता तक नहीं था उस दिन तक। मणिपुर जल रहा है, सैकड़ों की तादाद में लोग मारे जा रहे है और केंद्र सरकार कुछ नहीं कर रही है। किसीकी कोई जवाबदेही ही नहीं बनती है क्या सेंट्रल मिनिस्टर के घरों पर हमला

हो रहा है, शायद आज़ादी के बाद ये पहली बार हुआ है. गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो छोटी छोटी बातों पर ट्वीट करते है, इस मुद्दे पर खामोश है। लोकतंत्र में जवाबदेही बनती है, इसी लिए कह रहा हूँ, लोकतंत्र ख़त्म हो चूका है, खतरे में नहीं है, ऐसा पूर्व कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा। यूनिफार्म सिविल कोड से हमारे हिन्दु भाइयों को नुकसान होगा, उनको संविधान ने कुछ अधिकार दिए हुए है, मुसलमानों को कोई नुकसान होने वाला नहीं है। मुसलमान तो स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी भी रजिस्टर्ड करवाता है, जो शादीया से नहीं जाते वह कोर्ट में डाइवोर्स भी फाइल करते हैं। एक दो को छोड़ कर कहीं भी न एजुकेशन में और ना ही नौकरी में मुसलमानों को कोई रिजर्वेशन है। बाकी के रिजर्वेशन खत्म करना चाहती है, मोदी गवर्नमेंट। दूसरे सभी आरक्षण खत्म करना चाहती है। सिर्फ मुसलामानों का नुकसान बता कर करना चाहती है। २०२४ की तैयारी चल रही है, इन्हें मालूम है, इन्होने कुछ नहीं किया तो ये सब उल्टे सीधे मुद्दे लाकर लोगों का ध्यान भटका रहे है।मुज़फ्फर हुसैन नोटबंदी को प्राइम मिनिस्टर मोदी का टोटल फेलियर बताया, उन्होंने सवाल उठाये की, नोट बंदी की लोगों को लाइन में खड़ा किया, सैकड़ों लोगों की जाने गयी। फिर २००० की नोट लाये और अब बंद कर रहे है। जब बंद ही करना था तो शुरू क्यों

शेष पृष्ठ २ पर

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बहादुर पुलिस अधिकारियों का सम्मान किया पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे ने

जेकेएस संवाददाता

मीरा भायंदर पुलिस आयुक्तालय में हुई मासिक बैठक में मई महीने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बहादुर पुलिस अधिकारियों का सम्मान किया गया। पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे ने प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। मई महीने में अपराध की उत्कृष्ट विवेचना कर शिकायतकर्ता को उसका ठगी का ३६ लाख रुपए की रकम वापस दिलाने के लिए आयुक्त ने साइबर अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक सुजीत कुमार गूंजकर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसी कडी में पुलिस आयुक्त ने मांडवी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रफुल्ल बाघ को एक गुमनाम हत्या की तो तह तक जाकर हत्यारे को गिरफ्तार करने के लिए उन्हें प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस आयुक्त ने अपराध शाखा क्रमांक १, कनकिया पुलिस स्टेशन से वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजयसिंह बागल और पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे को मीरा रोड में एक ज्वैलर के यहां हथियारों की नोक पर हुई डकैती के मामले को सुलझाने और लुटेरों को माल के साथ गिरफ्तार करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे ने विरार पुलिस स्टेशन से सहायक पुलिस निरीक्षक नितिन बेंद्रे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बेंद्रे ने दो आरोपियों को सातारा से गिरफ्तार किया था, जो अपने घर में सोए पति पत्नी की पिटाई करने के बाद लूटपाट की थी। पुलिस आयुक्त ने नालासोपारा में एक ज्वैलर्स की दुकान में ताला तोडक़र घुसने का असफल प्रयास करने के बाद दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की चोरी करने वाले अपराधी को गिरफ्तार करने वाले अपराध शाखा क्रमांक ३ विरार के पुलिस निरीक्षक प्रमोद बडाख को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । आयुक्त मधुकर पांडे ने माणिकपुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संपत राव पाटिल को स्पेशल रिवॉर्ड से सम्मानित किया । इसी तरह आयुक्त ने वसई पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक रंजीत आंध को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बीएसयूपी योजना का गोरखधंधा

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : गरीबों के लिए बीएसयूपी योजना के तहत वनने वाले घरों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ठगने के मामले में रोज नई परतें खुल रही हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से अब तक ५० से अधिक फर्जी राशन कार्ड बरामद किए हैं। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ५० से अधिक लोगों को घर दिलाने की बात कबूली है। इस तरह से घर पाने वालों में कई पूर्व नगरसेवक और नगरसेविकाएं भी शामिल हैं। अगर इस मामले की सही से जांच हुई, तो यह करोडों रुपये का घोटाला सावित हो सकता है। वीएसयूपी योजना के नियमानुसार, इसका लाभ केवल उन परिवारों को मिलना था, जिनका घर संबंधित झोपडप़ट्टी में था लेकिन, आरोपियों ने इसमें मुंबई, ठाणे और पालघर के अपात्र लोगों को भी घर दिलाए हैं। आरोपी सबसे पहले किसी झोपडप़ट्टी की 'खरीद विक्री' का अग्रीमेंट बनाते थे। इसके बाद उस पते पर फर्जी राशनकार्ड भी बनाते थे। मनपा के अधिकारियों की मिलीभगत से उक्त व्यक्ति का नाम सर्वेक्षण पुस्तिका में दर्ज करा देते थे। आरोपियों ने इस मामले ने कई पूर्व जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की बात को स्वीकार किया है। इसके अलावा, मनपा के दो कर्मचारियों का नाम भी सामने आ रहा है। वरिष्ट पुलिस निरीक्षक संदीप कदम ने कुछ भी बताने से इनकार किया है, लेकिन कहा जा रहा है कि उन पर पुलिस पर काफी दबाव है।

बस स्टॉप का नाम बांग्लादेश रखने पर मचा बवाल

मीरा-भाईंदर: प्रशासन की लापरवाही से मीरा-भाईंदर के उत्तन में वसा इंदिरा नगर विगत तीन दशक में बांग्लादेश बन गया है। स्थानीय लोगों की शिकायत के बावजूद प्रशासन सोया रहा। अपनी गलती को सुधारने के बजाय जिलाधिकारी, परिवहन विभाग और एमवीएमसी लगातार इसकी अनदेखी करता रहा। मनपा ने हाल ही में यहां के एक बस स्टॉप का नाम वांग्लादेश कर दिया था। इसके वाद विवाद बढ.गया। इतना ही नहीं, मनपा के संपति कर के बिल, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों में भी बांग्लादेश का नाम ही छपकर आता है। विवाद बढ़ने पर आयुक्त दिलीप ढोले ने इसमें सुधार का आश्वासन दिया है। बांग्लादेश नाम कैसे हुआ: पूर्व नगरसेवक जॉर्जी गोविंद का कहना है कि तीन दशक पूर्व इंदिरा नगर डोंगरी पंचायत के अंतर्गत आता था। तव यहां पर ५ बंगाली परिवार रहते थे। उसके बाद इसे वांग्लादेश कहने लगे। ओलचाल की भाषा को तब और मान्यता मिली, जब राज्य सरकार की परिवहन सेवा ने यहां बांग्लादेश नाम का एक बस स्टॉप बना दिया। विजली के बिल, पानी का विल, आधार कार्ड और स्थानीय पते के रूप में भी इस क्षेत्र को बांग्लादेश का नाम दे दिया गया ।अव मीरा-भाईंदर मनपा ने भी बस स्टॉप का नाम वांग्लादेश कर दिया है। जनप्रतिनिधियों की आपत्ति: जनप्रतिनिधियों ने इस पर अब आपत्ति जताई है। सांसद राजन विचारे ने जिलाधिकारी को इस संदर्भ में पत्र लिखा है। बीजेपी के मीडिया प्रभारी भरत मिश्रा ने बस स्टॉप पर कालिख पोत कर नाराजगी जताई है।

इंजीनियर को थप्पड मारने के चलते मनपा के अधिकारियों में फैला आक्रोश, गीता जैन पर कारवाई करने की मांग

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : मीरा-भायंदर मनपा के कनिष्ठ अभियंता की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जूनियर इंजीनियर को पीटने के मामले में मीरा-भायंदर की विधायक गीता जैन के खिलाफ मंगलवार देर रात काशीमीरा पुलिस स्टेशन में शिकायत की गई। जूनियर इंजीनियर शुभम पाटील ने पत्र लिखकर विधायक गीता जैन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, पुलिस ने अभी कोई भी मामला दर्ज नहीं किया है। बता दें कि मंगलवार की दोपहर विधायक गीता जैन ने मनपा इंजीनियर शुभम पाटील को सभी के सामने थप्पड़ मारा था। गीता जैन का कहना है कि बारिश के मौसम में किसी भी रहिवासी के घर को तोड़ा नहीं जा सकता, ऐसा

शासन का आदेश है। फिर भी मनपा के इंजीनियर ने पेणकर पाड़ा में जाकर एक रहिवासी के घर को तोड़ा और परिवार के लोगों को जबरन घर से बाहर निकाल दिया। जैन ने उस समय मनपा के सहायक आयुक्त व वॉर्ड अधिकारी सचिन बच्छाव को पूछताछ के लिए मौके पर आने को कहा था, लेकिन बच्छाव खुद जाने की बजाय जूनियर इंजीनियर शुभम पाटील और संजय सोनी को भेज दिया। जिसके बाद गीता जैन ने इस बात का गुस्सा शुभम पाटील पर थप्पड़ जड़ कर निकाला। इस प्रकरण से मनपा के अधिकारियों में नाराजगी फैंल गई है। नाम न छापने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा कि विधायक को अगर किसी बात की शिकायत थी तो वे मनपा आयुक्त से शिकायत कर सकती थीं, ड्यूटी पर तैनात किसी भी अधिकारी या कर्मचारी पर हाथ उठाना सरासर गलत है, जिसकी सभी घोर निंदा करते हैं। इस पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, इससे अधिकारी के मान-सम्मान पर धब्बा लगता है। इस मामले में काशीमीरा पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक संदीप कदम ने कहा कि शुभम पाटील ने काशीमीरा पुलिस स्टेशन में शिकायती आवेदन दिया है। मामले की जांच चल रही है।

आर्थिक बोझ पडता और भावना दुखती है

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : जैसल पार्क चौपाटी पर बने दशक्रिया घाट पर तिलांजलि, पिंडदान, मुंडन और श्राद्ध कर्म घाट का शुल्क वसूला जा रहा है। इसे रद्द करने की मांग भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान नगरसेवक मदन सिंह ने मीरा-भायंदर मनपा को पत्र लिखकर की है। जैसल पार्क चौपाटी पर मृत व्यक्ति के दाह संस्कार के अगले दिन से होने वाली क्रियाओं के लिए दशक्रिया विधि घाट और कक्ष बनाया गया है। मृतक के परिजन रोजाना तिलांजलि और दसवें दिन पिंडदान, श्राद्ध तथा मुंडन संस्कार करते हैं। इसके लिए मीरा-भायंदर ही नहीं, अपितु दहिसर, बोरीवली तक के लोग भी आते हैं। पहले यह सेवा नि:शुल्क थी। सिंह के मुताबिक प्रशासकीय राज में अब इसे सशुल्क कर दिया गया है और इसे चलाने की जिम्मेदारी आगरी समाज उन्नति संस्था को प्रशासन ने दे दी है। यह संस्था प्रति परिवार से रोजाना २०० शुल्क वसूल रही है। सिंह के मुताबिक १० दिन में एक परिवार को २,००० रुपए चुकाने पडते हैं। इससे शोक में डूबे मृतक परिवार की जेब पर आर्थिक बोझ पडता और भावना दुखती है। यह मानवता के खिलाफ है। सिंह ने कहा कि मीरा भायंदर मनपा की ओर से श्मशान, शव जलाने के लिए लकडी, शव ले जाने के लिए शववाहिनी मुफ्त में उपलब्ध कराई जाती है। फिर दशक्रिया विधि के लिए पैसे लेना कहां तक उचित है। सिंह ने कहा कि दशक्रिया विधि घाट और कक्ष की देखभाल, मरम्मत, सुरक्षा स्वच्छता, बिजली, पानी सब काम मनपा करती है। मृतक के परिजन से शुल्क लिया जाना सिर्फ व्यापार है। सेवादायी संस्था के अध्यक्ष रोहिदास पाटील ने कहा कि व्यापार नहीं, बल्कि हम लोगों को बेहतर सुविधा, सेवा और स्वच्छता देने के एवज में शुल्क लेते हैं। शुल्क तय कर उसे लेने का अधिकार मनपा ने ही हमें दिया है। हमारा एक व्यक्ति वहां पूरे समय तैनात रहता है। घाट की सफाई, बाल उठाना, फिनायल. ब्रश, झाडू, ब्लीचिंग पाउडर आदि पर सारा पैसा खर्च किया जाता है। पाटील ने कहा कि पहले बैठने को लेकर ब्राह्मणों में नोकझोंक होती थी, अब वह समस्या भी खत्म हो गई है।

मोदी के ९ साल देश हुआ बेहाल

पृष्ठ १ का शेष

किया था। गौतम अडानी के मुद्दे पर राहुल गाँधी जी के पार्लियामेंट में सवाल पर अभी तक कोई जवाब नहीं आया है मोदीजी का। किसान की आमदनी नहीं बढ़ी, मिडल क्लास की आमदनी नहीं बढ़ी तो किसकी बढ़ी। सिर्फ गौतम अडानी की ? पोर्ट, एयरपोर्ट सब अडानी को. अडानी २०१४ से पहले टॉप २०० बिज़नेसमैन की लिस्ट में नहीं आते थे वह टॉप ३ की लिस्ट तक पहुंच गए और वहीं इंडिया का कर्ज़ जितना आज़ादी के बाद से मनमोहन सिंगजी तक नहीं लिया गया उतना कर्ज़ा इन ९ सालों में बढ़ गया है, हुसैन ने जानकारी दी।

मुज़फ्फर हुसैन ने कहा की नौ सवाल तो नौ साल के उपलक्ष्य में पूछ रहा हूँ। वैसे मोदीजी को लेकर मेरे पास ९०० सवाल है। कांग्रेस मोदीजी९ के जवाब में नौ साल देश बेहाल अभियान चलाएगी और इस पोलखोल अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनजागरण कर रहे हैं और लोगों को समझा रहे हैं कि मोदी की गलत नीतियों से देश खतरे में है। कांग्रेस ने खुली चुनौती दी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस द्वारा पूछे गए ९ सवालों का जवाब दें।

कांग्रेस के नौ सवाल

देश में कालाबाजारी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और आतंकवादी हमलों को खत्म करने के लिए तानाशाही तरीके से नोटबंदी का फैसला लिया गया, क्या भारत भ्रष्टाचार मुक्त हो गया है ? सैकडों लोगों की जान लेने वाली नोटबंदी से क्या हासिल हुआ ? २००० रुपये का नया नोट अचानक क्यों बंद कर दिया गया ?

विदेश से काला धन वापस लाने वाले मोदी जी का क्या हुआ ? लाखों करोड़ की लागत से विदेश भागे लोगों को भारत लाने की कार्रवाई कब होगी ?

आम नागरिकों के बैंक खाते में १५ लाख रुपये कब जमा करोगे ? जो हर साल २ करोड़ नौकरियाँ देने वाला था उसका क्या हुआ ?

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू का राष्ट्र निर्माण में बहुत बडा योगदान था, कांग्रेस के ७० वर्षों के शासन के दौरान कई शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान स्थापित किए गए। रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह ट्रस्ट, सार्वजनिक उद्यम उन्होंने अपने उद्योगों को अपने दोस्तों को बेचने का पाप क्यों किया ?

पेट्रोल-डीजल-गैस के दाम में बढोतरी कब कम होगी ? अन्याय और अत्याचार को खत्म कर किसानों, मजदूरों, कामगारों, महिलाओं, खिलाडियों को कब और कब न्याय मिलेगा ? इस बात पर भाजपा का राष्ट्रीय रुख और नीति क्यों उजागर नहीं हो रही है कि देश के जवान और सैनिक सुरक्षित नहीं हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उंगली उठाने वाली नीतियों के कारण देश की विभिन्न सीमाओं पर लोग मारे जा रहे हैं ? कांग्रेस ने जय जवान जय किसान का नारा दिया था, हमारे राज में उन दोनों के साथ अन्याय क्यों हो रहा है ?

मन की बात रेडियो पर न करके जनता से सीधे संवाद करके महंगाई, बढती बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, आर्थिक नीति पर कब बात करेंगे ? जबकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक (झीबेनर्च घीर्सबचिबअ) राष्ट्र है, यहां एक विशेष धर्म का प्रचार-प्रसार कर, धार्मिक विद्वेष पैदा कर, सामाजिक समरसता कायम नहीं कर बल्कि जातिवादी राजनीति कर माहौल खराब किया जा रहा है। मोदी जी इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं कर रहे है ?

डॉ. बाबा साहब अंबेडकर द्वारा स्वतंत्र भारत को दिया गया संविधान खतरे में है और लोकतांत्रिक तरीके से फैसले नहीं लिए जा रहे है बल्कि देश को ९ साल से बहुमत के बल पर तानाशाही तरीके से चलाया जा रहा है। ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई, चुनाव आयोग जैसी स्वायत्त संस्थाओं का राजनीति के लिए इस्तेमाल कर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई विपक्षी दलों की सरकारों को क्यों गिराया या अस्थिर किया जा रहा है ? अपनी पार्टी में भ्रष्ट नेताओं को संरक्षण या क्लीन चिट देकर विपक्षी नेताओं को निशाना क्यों बनाया जा रहा है ?

देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, घुसपैठ, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, पडोसी देशों के साथ संबंधों पर कब बात करेंगे ?

उद्योगपति गौतम अडानी को क्यों बचाया जा रहा है ? अडानी को लेकर लोकसभा में पूछे गए सवालों का जवाब कब देंगे ? क्या यह लोकतांत्रिक है कि विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए सवालों का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई कर उनकी आवाज को दबाया जा रहा है ?

मिरा - भाईंदर महानगरपालिका

उद्यान विभाग

दुसरा मजला, प्रभाग समिती क्र. ४, कै. विलासराव देशमुख भवन, जांगिड इन्क्लेव्ह, कनकिया, मीरारोड (पुर्व), ता. जि. ठाणे ४०११०७, दुरध्वनी क्र.२८१०३४०९

जा. क्र./मनपा/उद्यान/मिरारोड/ २७७/२०२३-२४ दिनांक : २२/०६/२०२३

// जाहीर नोटिस सुचना //

महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्र) झाडांचे जतन अधिनियम १९७५ च्या महाराष्ट्र अधिनियमानुसार केलेल्या सुधारणा विचारात घेऊन अधिनियमाच्या प्रकरण पाच कलम ८ (३) अन्वये या नोटीसद्वारे असे जाहिर करण्यात येते की, खालील नमूद तक्त्यातील झाडे काढणे करणेकामी प्रत्यक्ष पाहणी केली असता त्याचा तपशिल खालीलप्रमाणे आहे.

अ.क्र	ठिकाण	वृक्षाचे नाव	संख्या	मुळासहित काढणे	तपशील
१	मिरारोड पुनम नगर डी को.ऑ.हौ.सो.लि., पो.को.दाखो हॉस्पिटल फेज III, मिरारोड (पु) **पुनम नगर डी ३०/३१ को.ऑ.हौ.सो.लि. यांचे दि.०३/०५/२०२३ रोजीचे पत्र.**	रेन्ट्री	०१	मुळासहित काढणे	धोकादायक
२	पुनम नगर सी-१३-१४ को.ऑ.हौ.सो.लि. मिरारोड (पु) **पुनम नगर सी-१३/१४ को.ऑ.हौ.सो.लि. यांचे दि.३१/०५/२०२३ रोजीचे पत्र.**	नारळ	०१		
३	आत्माराम को.ऑ.हौ.सो.लि., मिरारोड (पु) पेणकरपाडा **आत्माराम को.ऑ.हौ.सो.लि. यांचे दि.२२/०५/२०२३ रोजीचे पत्र**	नारळ	०१		

सदर प्रस्तावित वृक्ष तोडण्याची /स्थलांतरीत करण्याची परवानगी देण्याचा इरादा आहे. याबाबत नागरिकांच्या काही हरकती तसेच सदर वृक्षांवर पक्षांची घरटी असल्यास जाहिर सुचना प्रसिद्ध झाल्यापासून ७ दिवसाच्या आत लेखी स्वरुपात उप-आयुक्त (उद्यान विभाग), मुख्य कार्यालय, भाईंदर (प.) येथे किंवा garden@mbmc.gov.in किंवा mbmc.garden@gmail.com या ई-मेल आयडी वर कळविण्यात यावे. तसेच मुदतीनंतर प्राप्त होणाऱ्या हरकती/सुचनांचा विचार केला जाणार नाही याची कृपया नोंद घ्यावी.

सही/-
(योगेश गुणिजन)
सहाय्यक आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

जा. क्र. मनपा/मावज/ १९३/ २०२३-२४
दिनांक २३/०६/२०२३

मुंबई की चलती लोकल में महिला से छेड़खानी

मुंबई: मुंबई की चलती लोकल ट्रेन के महिला डिब्बे में बुधवार सुबह ४०-वर्षीय एक व्यक्ति ने २०-वर्षीया महिला का उस वक्त कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया, जब वह अकेली यात्रा कर रही थी। जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के करीब आठ घंटे बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मुंबई के गिरगांव की रहने वाली महिला नवी मुंबई के बेलापुर की ओर जा रही थी, जहां उसे एक परीक्षा में शामिल होना था। अधिकारी ने बताया कि महिला बुधवार सुबह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से हार्बर लाइन लोकल ट्रेन में सवार हुई। उन्होंने बताया कि ट्रेन के चलने के साथ ही एक व्यक्ति महिला डिब्बे में घुस गया, जो उस समय खाली था। अधिकारी ने कहा, 'उसने कथित तौर पर सीएसएमटी और मस्जिद स्टेशनों के बीच सुबह करीब ७:२६ बजे महिला का यौन उत्पीड़न किया। जब महिला ने शोर मचाया तो वह व्यक्ति मस्जिद स्टेशन (सीएसएमटी के बाद अगला स्टेशन) पर उतरकर भाग गया।' अधिकारी ने कहा कि महिला ने जीआरपी से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया, जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), अपराध शाखा और मुंबई पुलिस के कर्मियों के दलों ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मस्जिद स्टेशन के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी की फुटेज की जांच की। बाद में आरोपी की पहचान की जा सकी और शाम करीब चार बजे उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी के अनुसार, आरोपी दिहाडी मजदूर है और उसके खिलाफ बलात्कार सहित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा आगे की जांच जारी है।

बारिश में रहना है स्वस्थ, तो रखें इन बातों को खयाल

पृष्ठ १ का शेष

तो जल्दी ठीक हो जाता है, खानपान में बरसात के मौसम में फल अधिक खाने चाहिए , साथ ही , पीने के लिए साफ पानी का प्रयोग करना चाहिए, जंक फूड नहीं खाने चाहिए, बारिश के मौसम मैं साफ पानी को उबालकर, ठंडा कर पीना चाहिए , यह स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होता है, इसी प्रकार बारिश के मौसम में मच्छर ज्यादा पनपते हैं , अत: खाने को खुला नहीं छोड़ना चाहिए, खुली पडी हुई खाने की चीजें जल्दी संक्रमित हो जाती है तथा बीमारियां जल्दी होती है, इससे बचने के लिए हमें खाने को ढक कर रखना चाहिए, जितना जल्द से जल्द हो सके , हमें मच्छर को बारिश के मौसम में पनपने से रोकना चाहिए , इसके लिए नहाने के पानी में कीटनाशक दवाई का प्रयोग करना चाहिए, पानी के हौज़ या टंकी आदि को ढक कर रखना चाहिए , इन्हें खुला नहीं रखना चाहिए , घर में पडे.पुराने बर्तन या सामान में यदि बारिश का पानी इकट्ठा हो गया है तो तुरंत खाली करना चाहिए, अन्यथा मच्छर जल्दी पनपेंगे और बीमारी हमें घेर लेगी, इसी प्रकार बारिश में कोई भी फल काटकर हमे खुला नहीं रखना चाहिए , ऐसा करने से फलों में नमी के कारण बैक्टीरिया उत्पन्न हो जाते हैं तथा ऐसे फलों को खाने से व्यक्ति बीमार हो जाता है अत: जब भी बारिश में फल खाना हो , काट कर तुरंत पूरा फल खा लेना चाहिए , फल काट कर पड़ा नहीं रखना चाहिए, बारिश के मौसम में गर्म पेय पदार्थ का सेवन ज्यादा से ज्यादा करना लाभदायक रहता है, जिसने अदरक वाली चाय या कॉफी भी सीमित सेवन करना चाहिए , साथ ही विभिन्न प्रकार के सूप जैसे कढी आदि का सेवन करना , स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है , हमें व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना चाहिए , हाथो को बार-बार साबुन से धोना चाहिए , और सूती कपडे.पहनने चाहिए, अपने घरों के आसपास पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए, हमें खासते या छीकते समय हमेशा अपना मुँह एवं नाक को रुमाल से ढकना चाहिए,बरसात में इतना कुछ पालन करने के बाद भी यदि बीमार होते हैं तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए!

इसलिए अगर आपको स्वस्थ रहना है तो इन बातों का ख्याल रखें.

१ – स्ट्रीट फूड से बचें– बारिश स्ट्रीट फूड खाने का खूब मन करता है लेकिन अगर आपको सेहत प्यारी है तो बाहर के खाने से बचना चाहिए. स्ट्रीट फूड को बनाते वक्त हाइजिन का उतना ध्यान नहीं रखा जाता. ऐसे में कई बार रखा हुआ या तला भुना खाने से पेट में परेशानी हो सकती है.

२ – कच्चा खाने से परहेज– मानसून में आपको कच्चा खाना खाने से बचना चाहिए. इस मौसम में मेटाबोलिज्म स्लो काम करता है. जिसकी वजह से खाना देर से पचता है. बारिश में बाहर का जूस और सलाद खाने से बचें. ज्यादा देर से कटे हुए फल भी नहीं खाने चाहिए.

३– पानी उबाल कर पीएं– बारिश में पानी में कई तरह के बैक्टीरिया पनपने लगते हैं इसलिए कोशिश करें कि पानी को उबालने के बाद ही पीएं. पानी को उबालने पर सभी तरह के बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं. उबला हुआ पानी पीने से डिहाइड्रेशन और डायरिया जैसी बीमारियां नहीं होती है.

४– इम्यूनिटी बढाएं– बारिश के मौसम में आपको अपनी इम्यूनिटी बढाने वाली चीजें खानी चाहिए. जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है वो इस मौसम में जल्दी बीमार पडते हैं. इसलिए आपको अपने इम्यून सिस्टम को स्ट्रोंग बनाने का काम करना चाहिए. आपको खाने में मेवा, मक्का, जौ, गेहूं, बेसन जैसे अनाज शामिल करने चाहिए.

५ – ठंडी और खट्टी चीजें से बचें– बारिश के मौसम में गले का इंफेक्शन तेजी से होता है. ऐसे में आपको ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, जूस या फिर शेक पीने से बचना चाहिए. इस मौसम में फ्रिज का पानी न पिएं. इसके अलावा खट्टी चीजों का सेवन भी कम से कम करें. इससे गला खराब होने का खतरा रहता है.

ईडी की आड़ में सरकार के बदले की राजनीति

मुंबई: केंद्र और राज्य सरकार की ओर से राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आड में बदले की राजनीति शुरू हो गई है। छापा मारकर कांटा निकालने का काम शुरू है। इस क्रम में मुंबई में कल सांताक्रुज, मालाड, परेल, वर्ली, बांद्रा सहित लगभग १५ ठिकानों पर ईडी ने छापे मारे, जिसमें प्रमुख रूप से शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष को टारगेट किया गया। कथित कोरोना घोटाला मामले में शिवसेना सचिव के ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा। महानगरपालिका के तत्कालीन अधिकारी और उसी प्रकार लाइफलाइन हॉस्पिटल के मैनेजमेंट पदाधिकारियों की जांच कर तलाशी ली है। ईडी की इस कार्रवाई के प्रति लोगों ने प्रचंड आक्रोश व्यक्त करते हुए कमलाबाई के पीछे छुपे लोगों को अभय क्यों? ऐसा सवाल किया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व विधायक आदित्य ठाकरे के विश्वासपात्र सहयोगी व शिवसेना सचिव सूरज चव्हाण के चेंबूर स्थित निवास स्थान पर ईडी ने छापा मारा। पीके ग्रैंड इमारत की ११ वीं मंजिल पर स्थित सूरज चव्हाण के घर ईडी के पांच अधिकारी सुबह-सुबह लगभग सवा आठ बजे पहुंचे और उनके घर की तलाशी ली। कथित कोरोना ठेका घोटाला मामले की जांच के लिए ईडी ने सूरज चव्हाण के घर छापा मारा, यह जैसे ही शिवसैनिकों को समझ में आया, वे सूरज चव्हाण के घर के पास जमा हो गए और भाजपा के खिलाफ जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। दबाव डालकर जीत जाएंगे, ऐसा भाजपा और मिंधे सरकार को लग रहा है लेकिन वे कभी भी सफल नहीं होंगे। जितना दबाव डालोगे, उतनी ताकत से शिवसेना उठेगी। इन लोगों को शिवसैनिक महाराष्ट्र से खत्म किए बिना चैन से नहीं रहेंगे, ऐसी तीखी प्रतिक्रिया शिवसैनिकों ने दी। सूरज चव्हाण के साथ-साथ ईडी के अधिकारियों ने आईएएस अधिकारी और मनपा के तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त संजीव जैसवाल के घर पर भी छापेमारी की। बांद्रा-पूर्व स्थित रूस्तमजी ओरियाना टावर की चौथी मंजिल पर जैसवाल रहते हैं। ईडी अधिकारियों ने जब उनके घर में तलाशी ली, तब जैसवाल घर पर नहीं थे। कोरोना काल में लाइफ लाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज कंपनी की ओर से गैर व्यवहार होने का कथित आरोप है। कोरोना सेंटर में मेडिकल सामग्री आपूर्ति का काम इस कंपनी को दिया गया था। इस मामले में ईडी ने इस कंपनी के पार्टनर सुजीत पाटकर के घर और कार्यालय पर छापा मारा। सांताक्रुज, वाकोला स्थित सुमित आर्टिस्ता बिल्डिंग में सुजीत पाटकर का घर है। सुबह ८ बजे उनके घर पर ईडी अधिकारी पहुंचे और लगभग ३ घंटे तक जांच कर वहां से निकल गए। एक साथ कुल १५ ठिकानों पर ईडी ने कार्रवाई की।

मुंबई में चल रहा था ४६७२ करोड़ का फर्जी शेयर बाजार

मुंबई: शेयर मार्केट के समानांतर मुंबई में एक डमी शेयर मार्केट चला रहे शख्स जतिन मेहता को कांदिवली के एक फ्लैट से गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी राज तिलक रौशन ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने आरोपी के पास से ५ मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक राउटर, एक टैब, एक पैन ड्राइव और काफी कैश भी जब्त किया है। आरोपी के बारे में क्राइम ब्रांच को शझङ और षभठ की टीम से काफी इनपुट्स मिले थे। डीसीपी के अनुसार, इस तरह की ट्रेडिंग को डिब्बा ट्रेडिंग भी कहा जाता है। जतिन मेहता की इस अवैध ट्रेडिंग में मार्च, २०२३ से २० जून, २०२३ तक करीब ४६७२ करोड.रुपये का टर्नओवर हुआ। टैक्स न मिल पाने की वजह से सरकार को करीब एक हजार करोड.रुपये का नुकसान हुआ है। केस के जांच अधिकारी अभिजीत जाधव ने इस डमी शेयर मार्केट और आरोपी के काम करने की पूरी मोडस ऑपरेंडी की विस्तार से जानकारी दी। उसने ष''घए नाम का एक ऐप बनाया था। उसके खुद के शेयर मार्केट का पूरा कारोबार हवाला के जरिए चलता था। आरोपी लोगों को अपने ऐप का पासवर्ड देता था। जिस तरह शेयर ब्रोकरों को रोल होता है, वैसा ही बहुत कुछ जतिन मेहता का भी था। उन सभी से उसने ५०-५० हजार रुपये डिपॉजिट के रूप में भी ले रखे थे। उसके ऐप में जाने पर सुबह-सुबह और दिनभर अलग-अलग कंपनियों के शेयर भाव आते रहते थे। लोग उसके जरिए शेयर खरीदते थे, बेचते भी

थे। ऐप में ही रोज के लेन-देन की डिटेल रखी जाती थी, लेकिन हिसाब हर गुरुवार को ही होता था। यदि किसी को शेयर में प्रॉफिट हुआ, तो जतिन अपना शेयर ब्रोकज का कमिशन काटकर कैश में सामने वाले को रकम भिजवा देता था। यदि किसी को शेयर में नुकसान हुआ, तो उसकी डिपॉजिट की रकम से वह पैसा काट लिया जाता था। लेकिन सामने वाले से उतनी रकम फिर मांग ली जाती थी, ताकि डिपॉजिट हमेशा ५० हजार रुपये बरकरार रहे। चूंकि उसके कस्टमर सैकडों में थे, इसलिए उसके पास डिपॉजिट में काफी रकम जमा रहती थी। इस डमी शेयर मार्केट में प्रॉफिट होने पर सामने वाले को टैक्स का भी बहुत फायदा होता था। किसी ने साल भर में १५ से २० लाख रुपये की इनकम की, तो उसे १५ से ३० प्रतिशत तक इनकम टैक्स देना पडता है। लेकिन इस डमी शेयर मार्केट में चूंकि पूरा कारोबार ही हवाला और कैश से होता था, इसलिए शेयर से प्रॉफिट करने वाली पार्टी को कोई इनकम टैक्स देना ही नहीं पडता था। लीगल शेयर ट्रेडिंग में निवेशक को ब्रोकर चार्ज के अलावा कमोडिटी ट्रांसजैक्शन टैक्स (भ्) और सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (झ्) भी देना होता है। मुंबई में फर्जी शेयर बाजार को डब्बा ट्रेडिंग भी कहा जाता है। यह शेयरों में ट्रेडिंग का अवैध मॉडल है। इसमें ट्रेडिंग रिंग चलाने वाले स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के बाहर अवैध तरीके से इक्विटी में व्यापार करवाते हैं। ये तय रिटर्न का लालच देते हुए कोई ऐप बना लेते हैं। फिर हवाला से पैसे का लेनदेन करते हैं ताकि इनकम टैक्स की नजर से बचे रहें। लोगों को लगता है कि वे शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। असल में वह फर्जीवाडा होता है।

डेंगू-मलेरिया से लड़ने के लिए मनपा की तैयारी आधी-अधूरी

मुंबई: मुंबई में इस साल मानसून के आगमन में देरी हो रही है फिर भी मुंबईकर मौसमी बीमारियों से जूझ रहे हैं। शहरवासी मच्छर जनित डेंगू और मलेरिया बीमारी से सबसे अधिक परेशान हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार बीते १२ दिनों से शहर के निजी और सरकारी अस्पतालों के ओपीडी में डेंगू और मलेरिया के मामलों में वृद्धि हुई है। सबसे हैरानी और चिंता की बात यह है कि अधिकांश मरीज २५-४० साल के हैं। इन मरीजों का यात्रा का भी इतिहास रहा है। मनपा के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शहर में पिछले छह महीनों में ५०० से अधिक डेंगू के मामले सामने आए हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों ने इस वृद्धि के लिए बदलती जलवायु परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहराया है, जो मौसमी बीमारियों के लिए अनुकूल हैं। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि मच्छरों के पलने वाली जगहों को नष्ठ नहीं किया गया तो बारिश में और भी बीमारियां बढेंगी। दूसरी तरफ लोग मनपा पर यह भी आरोप लगा रहे हैं कि मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए जो जरूरी तैयारियां की जाती हैं, वो अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। उल्लेखनीय है कि मुंबई में बीच-बीच में होने वाली बारिश की बूंदा-बांदी भले ही

गर्मी से निजात दिला देती है लेकिन इससे मच्छरों को पनपने का मौका मिलता है। बारिश के दौरान मुंबई में जलभराव होने से मच्छरों के लार्वा तेजी से पनपते हैं। डॉ. नेताजी मुलिक के मुताबिक ऐसी संभावना है कि जटिल विवेक्स मलेरिया के दो से तीन मामले देखे गए हैं। इससे पीड़ित मरीजों में तेज बुखार के साथ ही हृदय की पंपिंग बढ़ने की संभावना होती है। इसके शिकार मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आ सकती है। मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, लेप्टोस्पायरोसिस समेत जल जनित रोगों से बचाव, रोकथाम, इलाज के बारे में जानकारी देने के लिए नागरिकों के साथ ही विद्यार्थियों को सजग किया जाएगा। इसके साथ ही लोगों को जागरूक भी किया जाएगा। मनपा के अनुसार इन बीमारियों से बचने के लिए गमले, पुराने बर्तन, छतों पर रखे टायर आदि में पानी न एकत्र होने दें। घर के पास सफाई रखें। गड्ढे में जलभराव न होने दें। मच्छरदानी प्रयोग करें। फ्रिंज की बैक ट्रे में पानी न जमा होने दें। स्टोर रूम की सफाई करें। मनपा स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बताया गया है कि बीते कई महीनों से मच्छर जनित स्थलों की खोज कर वहां पैदा होने वाले लार्वा को नष्ठ किया जा रहा है। इतना ही नहीं इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई भी की जा रही है। इसके साथ ही समय-समय पर फॉगिंग भी की जाती है। ये उपाय कारगर साबित हो रहे हैं। दूसरी तरफ संदिग्ध रोगियों की तलाश कर उनकी जांच और इलाज कराए जाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वरिष्ठ संक्रामक रोग विशेषज्ञों के मुताबिक डेंगू के चार सीरोटाइप होते हैं इसलिए एक व्यक्ति जीवनकाल में चार बार संक्रमित हो सकता है और सभी चारों सीरोटाइप हिंदुस्थान में सक्रिय हैं। डॉक्टरों के मुताबिक पिछले सप्ताह ओपीडी में रोजाना पांच-दस मरीज आए, जिनमें डेंगू और मलेरिया के लक्षण दिखे, जबकि पिछले महीने यही आंकड़ा दो से तीन था। इसी तरह पिछले सप्ताह लगभग दो से तीन रोगियों को कम प्लेटलेट काउंट के कारण अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता पड़ी।

मां को चाहिए बेटी के हत्यारे की मौत!

जेकेएस संवाददाता

मुंबई :महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (एमपीएससी) की परीक्षा में तीसरी रैंक लाकर उत्तीर्ण होनेवाली दर्शना पवार की नृशंस हत्या मामले में संदिग्ध हत्यारे राहुल हंडोरे को पुणे ग्रामीण पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया है। दर्शना के साथ पढ़नेवाला राहुल उससे विवाह करना चाहता था, लेकिन दर्शना ने इनकार कर दिया था। अब मृत दर्शना की मां चाहती है कि जिस नृशंसता से राहुल ने दर्शना का कत्ल किया था, उसी तरह उसके भी टुकड़े किए जाने चाहिए। बता दें कि वन अधिकारी के तौर पर नियुक्त होने की तैयारी में जुटी दर्शना अपनी सक्सेस के लिए सम्मानित किए जानेवाले कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अपने सहपाठी मित्र राहुल हंडोरे के साथ ट्रैकिंग के लिए गई थी। लेकिन दोनों वापस नहीं लौटे। १५ जून को दर्शना के अभिभावकों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में १८ जून को पुणे ग्रामीण पुलिस ने क्षत-विक्षत अवस्था में राजगढ़ किले के पास से दर्शना का शव बरामद किया। शव पर जख्मों के निशान थे, जबकि घटना के बाद से ही राहुल लापता था। मोबाइल लोकेशन को ट्रेस कर रही पुणे ग्रामीण पुलिस ने बुधवार की रात मुंबई के अंधेरी स्टेशन से राहुल को हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि उसे ट्रेन से पुणे आने के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार किया। आईपीएस अधिकारी अंकित गोयल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि राहुल हंडोरे ने इस वारदात को तब अंजाम दिया, जब दोनों १२ जून को ट्रैकिंग करके वापस लौट रहे थे। ट्रैकिंग के लिए सुबह सवा आठ बजे निकले थे और रात में दस-ग्यारह बजे लौटते वक्त दर्शना की हत्या की गई। पुलिस को ट्रैकिंग के लिए जाते वक्त का उनका सीसीटीवी फुटेज मिला था और स्थानीय लोगों ने भी इसकी गवाही दी थी।

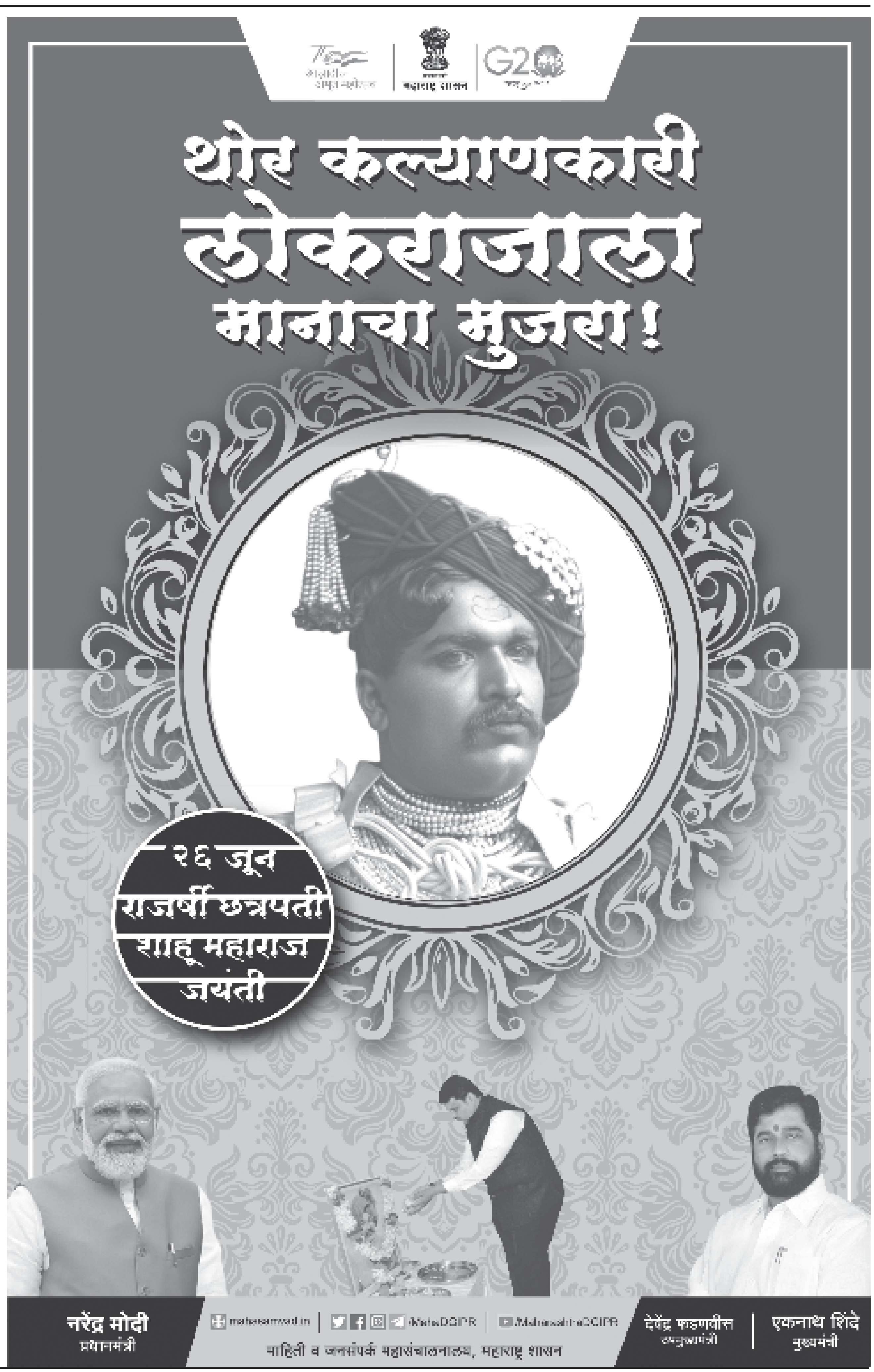

रहिवासियों में रोष का माहौल, नाममात्र कारवाई से प्रशासन पर उठे सवाल

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मीरा रोड स्थित एक रिहायशी इमारत के फ्लैट में मॅडोना बार के नाम से डांसबार चलाने का आरोप लगाने वाले निवासियों ने १० बारबालाओं को पकडऩे की हिम्मत की। पुलिस, महानगर पालिका, उत्पाद शुल्क आदि की नाक के नीचे चल रहे अवैध डांस बार पर कई बार शिकायत की गयी पर कोई सुनवाई नहीं हुई। लोग बार में टून होने के बाद गाली गलौच, मारपीट और काम्प्लेक्स में रहने वाली औरतों को बुरी नज़र से देखते है, ऐसा आरोप रहिवासिओं ने लगाया है। ये बार मीरा रोड पुलिस के जूरिस्डिक्शन में आता है सिल्वर पार्क नाका स्थित चंद्रेश एकॉर्ड कॉम्प्लेक्स के फर्स्ट फ्लोर पर तीन फ्लैटों में अवैध रूप से स्ट्रक्चरल बदलाव कर एक सीढी को हटा दिया गया। वहां मैडोना उर्फ खुशी ऑर्केस्ट्रा बार की शुरुआत की गयी। शनिवार की आधी रात के आसपास रहवासियों ने ११२ पर कॉल कर बार से लाउडस्पीकर की आवाज आने की सूचना दी। शिकायत सुनते ही बारबाला बार से जाकर बिल्डिंग की दूसरी मंजिल के अपार्टमेंट में छिप गई। रहवासियों ने घर को बाहर से घेर लिया और पुलिस को बुला लिया। आधी रात के करीब पुलिस पहुंची जब वहां पहुंची तो बारबालाओं को उनके हवाले कर दिया गया। पुलिस ने धाराओं के तहत मामला दर्ज किया, लेकिन रहवासियों ने रोष जताते हुए कहा कि यह नाममात्र की कार्रवाई है। इस बार से यहां के नागरिकों को परेशानी हो रही है और कई बार मनपा, पुलिस और ठाणे के राज्य आबकारी विभाग से इसकी शिकायत कर चुके हैं. निवासियों के अनुसार स्टाफ क्वार्टर

की आड.में बार गर्ल्स को छिपाने के लिए फ्लैटों को एक सुरक्षित अड्डे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जब तक पुलिस पहुंची तब तक संचालक, प्रबंधक, वेटर, संगीतकार और ग्राहक मौके से फरार हो चुके थे। हालांकि, फ्लैट के अंदर एक दर्जन से ज्यादा बार गर्ल्स मौजूद थीं। हम सभी के लिए एक बडा उपद्रव, विशेष रूप से महिलाओं के लिए, इस बार ने परिसर की शांति और सद्भाव को नष्ठ कर दिया है। शराब के नशे में मारपीट, छेडख़ानी, तडक़े तक जोर शोर के अलावा, बार मालिक ने भी बडे.आंतरिक बदलाव किए हैं, इमारत के निवासी एडवोकेट जॉन डीमेलो ने कहा, जो अवैध और इस अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ लड.रहे हैं। उन्होंने यह आरोप लगाया है कि शिकायत के बाद दिखावटी छापे पड़ते है और बाद में दूसरे नाम से लाइसेंस लाकर फिर से सब शुरू हो जाता है। आज तक कोई परमानेंट सोलुशन नहीं मिला, जिसकी वजह से ज्यादातर लोग घर बेच कर यहाँ से जाने पर मजबूर हुए हैं।

मीरा भाईंदर में पानी की कमी

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड: अरब सागर में आये बिपारजॉय चक्रवात के कारण मानसून के आगमन में देरी हो रही है। जून का आधे से भी ज्यादा महीना गुज़र जाने के बाद भी अभी तक मानसून ने केरला में भी दस्तक नहीं दी है। वहीँ मीरा भायंदर को जल आपूर्ति करने वाले बांधों में पानी का स्तर काफी हद तक गिर गया है। बदलापुर में बारवी डैम का स्तर लगभग २७ प्रतिशत ही रह गया है। इसे देखते हुए मीरा-भायंदर महानगर पालिका (एमबीएमसी) के जल आपूर्ति विभाग ने शहर में पानी की कटौती करने का फैसला किया है। इस हिसाब से हर पंद्रह दिन में २४ घंटे पानी की सप्लाई बंद रहेगी। यह पानी कटौती फिलहाल १५ जुलाई तक के लिए लागू की गई है। सोमवार को भी अंबरनाथ में पाइपलाइन फटने की वजह से मीरा भायंदर में तक़रीबन ५ घंटे जल आपूर्ति खंडित रही और उसके बाद कम दबाओ से पूर्ति हो रही है। इस बीच सिंचाई विभाग ने पानी की कमी के संकट को दूर करने के लिए जल भंडारण की जांच के लिए सभी बांधों के स्तर की समीक्षा की है. एमआईडीसी बारवी बांध से पानी लेता है और इसे एमबीएमसी, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, नवी मुंबई सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में आपूर्ति करता है।२२५ एमएलडी से अधिक की आवश्यकता के मुकाबले, मीरा भायंदर को २२१ एमएलडी की आपूर्ति आवंटित है। शहाद तेमघर जल आपूर्ति प्राधिकरण (८६ एमएलडी) द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान करता है। इसके अलावा, बढ़ती जनसंख्या और जिले के टेल-एंड में होने के कारण बार-बार टूटी और जर्जर पाइपलाइनों के मरम्मत कार्य के कारण कम दबाव बना रहता है और इसकी वजह से पानी का संकट और बढ.जाता है।

मायानगरी में झमाझम बरसात

मुंबई: मानसून का इंतजार कर रहे मुंबईकरों को कल सुकून मिला, जब मुंबई में मानसून का जोरदार आगमन हुआ और मुंबई सहित आसपास के इलाकों में जमकर बारिश हुई। इस झमाझम बारिश से एक तरफ जहां मुंबईकरों के चेहरे पर उत्साह और खुशी दिखाई दी, वहीं मनपा की ओर से की गई मानसून पूर्व तैयारियों की पोल भी खुल गई। पहली बारिश में ही मुंबई की सड़कें कई जगह पानी से भर गईं। जगह-जगह जमा हुए बरसाती पानी से ट्रैफिक का बुरा हाल रहा। जिन नालों की सफाई पूरा होने का दावा किया गया था, उनमें से कई नाले पहली बारिश में ही जाम नजर आए। सायन सहित कई ठिकानों पर लोकल ट्रेन की पटरियों पर भी पानी जमा हुआ, जिसकी वजह से लोकल ट्रेन यातायात भी प्रभावित हुआ। कई जगहें पर बेस्ट की बसों के बंद होने की भी खबर सामने आई। बता दें कि मौसम विज्ञान विभाग ने २७ तारीख तक दक्षिण-पश्चिम शहर में मानसून पहुंचने की उम्मीद जताई थी। लेकिन मौसम विभाग के अनुमान से दो दिन पहले ही बारिश ने जोरदार दस्तक दे दी। शनिवार को बदरा जमकर बरसे और मुंबई पानी-पानी हो गई। तेज बारिश की वजह से मुंबई की सड़कों पर पानी भर गया। कई जगहों पर लोगों की दुकानों सहित घरों में पानी घुस गया, जिसे लेकर लोग खासे परेशान नजर आए। कई ठिकानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं तो कहीं मैनहोल्स को लेकर समस्याएं हुई। बारिश में वालकेश्वर इलाके में एक पेड़ गिरने से १० कार डैमेज हो गईं। शनिवार को तेज बारिश के दौरान यह घटना हुई। वालकेश्वर के पास एक पेड़ के नीचे ये कारें खड़ी थीं। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, जिसके बाद वहां ट्रैफिक जाम हो गया। ट्री विभाग के लोगों ने वहां पहुंचकर टहनियों को सड़क से हटाया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले ५ दिनों तक ऐसी ही जोरदार बारिश होने की संभावना है। मनपा ने ट्वीट करके जानकारी दी कि मुंबई शहर और उपनगरों में आगे भी बादल छाए रहेंगे और मध्यम व तेज बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले ५ दिनों तक मौसम खराब रहने की आशंका है, जिसकी वजह से यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। महाराष्ट्र के अलावा उत्तर पश्चिम भारत में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में २७ जून तक भारी बारिश होने की संभावना है, वहीं २४ से २६ जून तक उत्तर प्रदेश में झमाझम बारिश होने की संभावना है। कई बार मौसम विभाग सही जानकारी देने में चूक जाता है। नासिक में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। शनिवार को नासिक में जोरदार बारिश हुई। नासिक के ग्रामीण इलाकों सहित शहरी इलाकों और तमाम जगहों पर भारी बारिश हुई। लेकिन मौसम विभाग के कार्यालय के आसपास बारिश नहीं हुई, जिस वजह से वहां मौसम विभाग के रिकॉर्ड में शून्य बारिश दर्ज हुई है। वाह रे: मौसम विभाग कहें तो कुछ गलत नहीं होगा। मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में देर से ही सही आखिरकार मानसून सक्रिय हो ही गया। मुंबई में मानसून ने जोरदार तरीके से दस्तक दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को मुंबई के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। विभाग ने कल दक्षिण-पश्चिम मानसून के मुंबई शहर में प्रवेश करने की संभावना जताई थी, फिर भी मुंबई में अनुमान के मुताबिक बारिश नहीं हो रही है। वहीं अगले ४ से ५ दिनों में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान जताया जा रहा है।

जनता को मिली सुविधा, रविवार को कर सकते है प्रॉपटी टैक्स का भुगतान केंद्र :५ से ३ प्रतिशत छूट की सहूलियत

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा-भायंदर मनपा प्रशासन ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए कर भुगतान करने वालों के लिए विशेष छूट देने की घोषणा की है। समय सीमा के भीतर अधिक से अधिक नागरिकों को लाभ पहुंचाने के लिए मनपा ने ३१ जुलाई तक छुट्टियों के दिन भी टैक्स भुगतान केंद्र चालू रखने का निर्णय लिया है। बता दें कि मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने शहरवासियों को टैक्स भुगतान में ५ से ३ प्रतिशत छूट की सहूलियत दी है। मनपा प्रशासन ने ईमानदारी से और तेज गति से कर चुकाने वाले नागरिकों को राहत देने के लिए ३१ जुलाई तक की समय सीमा रखी है। इस छूट का लाभ वे नागरिक नहीं उठा पा रहे थे जो वर्किंग समय में यहां से बाहर नौकरी या रोजगार के लिए जाते हैं, इसलिए

ऐसे लोगों की सुविधा के लिए मनपा ने शनिवार व रविवार को भी दोपहर दो बजे तक सभी वॉर्डों में टैक्स भुगतान केंद्र जारी रखने का निर्णय लिया है। मनपा ने करदाताओं के लिए विशेष छूट देने की घोषणा की थी, जिसमें जो करदाता ३० जून तक प्रॉपर्टी टैक्स अदा करेंगे उन्हें ५ प्रतिशत और जो ३१ जुलाई तक भुगतान करेंगे उन्हें ३ प्रतिशत तक छूट दी रही है। ऐसे में उन लोगों की सुविधा के लिए मनपा ने छुट्टी के दिन भी टैक्स काउंटर को खुला रखने का निर्णय लिया है, जिससे वे लोग भी इस योजना का फायदा उठा सकें जो सोमवार से लेकर शनिवार तक ड्यूटी पर रहते हैं।

मानसून के चलते खस्ताहाल इमारतों पर लटकी तलवार

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : मीरा-भायंदर में इस मानसून में जर्जर हो चुकी कई इमारतों पर खतरा मंडराएगा। महानगरपालिका ने तीन महीने पहले घोषणा की थी कि इस साल शहर में १५ बेहद खतरनाक जर्जर इमारते हैं। उन इमारतों को मानसून पूर्व खाली करके तोड़ना अति आवश्यक है। अब प्रशासन ने मानसून की शुरुआत से पहले ऐसी इमारतों को पराशादी करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मनपा ने अति खतरनाक १५ इमारतों की सूची तैयार की थी, जिसमे से ९ इमारतों पर तोड़क कार्रवाई मामला न्यायालय एवं तकनीकी

सलाहकार समिति के समक्ष विचाराधीन है। ऐसी जर्जर इमारतें किसी भी प्रकार की समस्या न बने, इसलिए तीन साल पहले ही मनपा ने इसकी जिम्मेदारी सार्वजनिक निर्माण विभाग से हटा कर वॉर्ड अधिकारियों के जिम्मे कर दी थी। मनपा आयुक्त दिलीप डोले ने पुरानी इमारतों की सुरक्षा समीक्षा के बाद १५ बेहद खतरनाक इमारतों की सूची जारी की थी। इसके बाद ऐसी इमारतों में रहने वाले नागरिकों को इमारत खाली करने और इसे खुद निराने के लिए मनपा ने दो महीने का समय दिया था लेकिन नागरिकों द्वारा नहीं तोडे. जाने पर प्रशासन ने इमारत को गिराने का काम शुरू कर दिया है। मनपा अतिक्रमण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, दो भवनों की सोसायटी ने मनपा के इस फैसले का विरोध किया है और तकनीकी सलाहकार समिति में दोबारा जांच के लिए दावा दायर किया है, जबकि ३ इमारत की सोसायटीज को इस फैसले के विरोध में कोर्ट से स्थगनादेश मिला है। अतिक्रमण विभाग के मुख्य अधिकारी नरेंद्र चव्हाण ने बताया कि एक अन्य इमारत है, जिसे लोग खाली करने से इनकार कर रहे हैं, उन्हें इमारत को खाली करने के लिए अंतिम चेतावनी दी गई है।

विश्व योग दिवस के अवसर पर बुद्धविहार, विपश्यना केंद्र में योग शिविर का आयोजन

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : विश्व योग दिवस के अवसर २१ जून को मीरारोड पूर्व के बुद्ध विहार,विपश्यना केंद्र में मनपा आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले के मार्गदर्शन व उपस्थिति में महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा सुबह ८.३० बजे योग शिविर का आयोजन किया गया। इस योग शिविर में अतिरिक्त आयुक्त अनिकेत मानोरकर, उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड, (शहर अभियंता) दीपक खम्बित, उपायुक्त (स्वास्थ्य) संजय शिंदे, उपायुक्त रवि पवार, उपायुक्त (महिला एवं बाल कल्याण) कल्पिता पिंपले, मनपा के सभी विभाग प्रमुख व स्थानीय नागरिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सबसे पहले योग शिक्षिका प्रतिमा वाघ ने योग शिविर प्रारंभ करने से पूर्व उपस्थित अधिकारियों ,कर्मचारियों से स्वास्थ्य के विषय पर महत्वपूर्ण चर्चा की। साथ ही योग शिक्षक ने योग के प्रकार, शरीर के लिए योग के फायदे, योग करने के सर्वोत्तम तरीके की जानकारी दी। उन्होंने सामान्य व्यस्त जीवन में हर दिन कम से कम एक घंटे योग करने के महत्व पर जोर दिया। योग के बारे में सभी जानकारी प्राप्त करने के बाद आयुक्त सहित सभी ने एक घंटे तक योग का आनंद लिया। सिर्फ योग दिवस पर ही नही बल्कि प्रत्येक दिन एक घंटे योग साधना आत्मसात करने का आवाहन आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले ने किया।

मनपा में काम करनेवाले कंप्यूटर ऑपरेटर को स्थायी सेवा की मंजुरी

भायंदर: मीरा-भायंदर महानगर पालिका सेवा में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर तय वेतन पर काम कर रहे ५१ कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। जिन्हें पिछले १५ वर्षों की सेवा के बाद स्थायी सेवा में समाहित किया जाएगा। बता दें कि ये कंप्यूटर ऑपरेटर वर्ष २००७ से मनपा में सेवा दे रहे हैं। अब राज्य सरकार ने अधिशेष पद सृजित कर संबंधित कर्मचारियों को सेवा में समाहित करने का निर्णय लिया है। मनपा आयुक्त दिलीप ढोले द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर यह कार्रवाई की गई है। मीरा-भायंदर महानगर पालिका में विभिन्न विभागों में आवश्यकता होने के कारण इन कंप्यूटर

ऑपरेटरों की नियुक्ति की गई थी। इस पद पर कुल ६३ कर्मचारी कार्यरत हैं, जिसमें से वर्ष २००७ में साक्षात्कार के माध्यम से ५१ कंप्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति की गयी थी। तब से ये एकमुश्त वेतन पर कार्य कर रहे हैं। जिनकी तपस्या अब जाकर खत्म हुई। पिछले कई वर्षों से उन्हें स्थायी रूप से सेवा में शामिल करने की मांग की जा रही थी। इसी पृष्ठभूमि में मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने कुछ महीने पहले कंप्यूटर ऑपरेटरों के ५१ अतिरिक्त पद सृजित कर उन्हें स्थाई सेवा में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। चूंकि मनपा योजना में कंप्यूटर ऑपरेटरों के पद स्वीकृत नहीं थे। उन्होंने इसे मंजूरी के लिए राज्य सरकार के नगरविकास विभाग को भेजा था, जिसे राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। इसलिए अब शासन द्वारा आदेश जारी होने की तिथि से कंप्यूटर ऑपरेटरों को स्थायी सेवा में समाहित किया जाएगा। साथ ही इन्हें ७वें वेतन आयोग के मुताबिक वेतन दिया जाएगा।

धान खरीदी में करोड़ों का फर्जीवाडा, अधिकारी हुए निलंबित

जेकेएस संवाददाता

पालघर :जिले में खाद्यान वितरण व खरीदी में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। पहले राशन दुकानों में खाद्यान वितरण में गड़बड़ियां हुईं और अब धान खरीदी में घोटाला किया जा रहा है। पालघर के जव्हार में आदिवासी विकास निगम द्वारा धान खरीदी में जमकर धांधली का मामला सामने आया है। करोड़ों के भ्रष्टाचार का मामला गरमाने के बाद निगम की प्रबंध निदेशक लीना बनसोडे ने जव्हार के क्षेत्रीय प्रबंधक सहित तीन लोगों को निलंबित कर दिया है और घपलेबाजों पर पुलिस स्टेशन में मामला भी दर्ज करवाया गया है। आदिवासी विकास निगम द्वारा चावल खरीदी में करोड़ों रुपए की हेराफेरी किए जाने की शिकायत मिलने के बाद बनसोडे ने दो विशेष टीमों के साथ चार दिनों तक गोदामों की जांच की तो धान खरीदी में बड़े पैमाने पर धांधली सामने आई। इसके बाद जव्हार के प्रादेशिक व्यवस्थापक विजय गांगुर्डे सहित शहापुर के उपप्रादेशिक व्यवस्थापक अविनाश राठोड, गोदाम रक्षक वसावे को निलंबित कर इन पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया गया है। पालघर के आदिवासियों और किसानों की बेहतरी के लिए योजनाएं भ्रष्ठाचार की भेंट चढ़ती दिख रही है। लोगों ने आरोप लगाया कि वरिष्ट अधिकारियों द्वारा कुछ कर्मचारियों की मदद से किसानों की जमीन का सातबारा इकट्ठा कर धान की खरीदी में फर्जीवाड़ा किया जाता है। लोगों का कहना है, कि सरकार की योजनाओं से आदिवासियों और किसानों का कल्याण तो नही हुआ पर अधिकारियों और कर्मचारियों की दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की जरूर हो रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI